

DPN 5645

Title: माहांमाया स्तोत्र व मेमेगु / MĀHĀ MĀYĀ STOTRA WA MEME-
GU

Run. No. 6336

Cat. No.

Micro. No.

Subject स्तोत्र Hymn

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 15X6

Folios 12

Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material: palmleaf / paper / thya^saphu /

Condition: fine / damaged by worms, rats, water / badly damaged by worms holes. अक्षर: ए मृ

Beginning, colophon, post-colophon:

centimeter 5

10

15

20

10

७

लनिर्मिरामाता म गै ला च म गै ला पि त्रय
व माहादेवी सहस्रवृषा यनी ॥१॥ सा लाख धाम
देवीः मार्तगा सर्वदा सह ॥ माता च र ॥ सर्वदा
दिव कानां वैष ॥ १२ ॥ ग ॥ १३ ॥

10

७

0

CMTS

5

10

15

20

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ नमो देव
सदस्यै वासुदेवाय ॥ श्री यथा वाच्यं ॥
सर्वलोकान्मोक्षयितुं शक्तं ॥
यथा वाच्यं ॥ अंगामग्राह्यं ॥

साधनविवर्धनं कलकादात्रलंगध
ह्ययादिद्वयत्सु च ब्रूतस्व कामयायिरु ॥२॥
राजराजश्रीदिव्याः कवचं ब्रूतमयि ॥३॥
तमिहामित्वनकः कथयस्वमयि यरु ॥३॥
ब्रूतुवावा लकवान सहस्रानी वानीना

सिद्धनयनश्रीषाखावात्पूनदविष्कसि
मयि प्रीत्या ॥४॥ ब्रूतं गम्य कवचं
सर्वकामफलः पुनः चिन्तयेन् न वद वेति क
थयामि ब्रूत ॥ कुरु स्य श्रीराजराज
श्रीराजराजमाहाप्रिय नन्दनीतिशाकवच

ना. सिद्धासंमुख लव्य तः हें न वि नूड - वि.
कृष्णायतिन भासुत ॥ १३ ॥ अन्नयून्मो कृष्णमादः
सां धका नां रु लयु द ॥ १४ ॥ द क्षा पुं य (ध) नि र्यै द वः
नां म वि इ लु रं ॥ १५ ॥ ऊ ४ द (ध) ग स मा ध्म न

रुवगवत्रदायली॥ अयुगलरुगयुगः निर्धना
रुगधर्न॥ १५॥ कन्याधितिरुगकन्यामाका
धितिरुगगतिः॥ कामनुकलरुगधनः॥ इति
रुगकाम॥ १६॥ गतयाप्राप्तिमानवः॥ कश्चि
रुयनिरुगधर्नपुत्रनिमानवः॥ सगुग्रायगः॥

दश॥ १७॥ रुवानिरुगधर्नसना॥ राजानां॥ रुवाये
व॥ सर्वयायायनासर्नः॥ सवद्वरुयमासि
॥ १८॥ सपुनाकलसः॥ सकाविधिनसंसय
नननाइसुलयेवः॥ विसावासा॥ रुवा॥ १९॥

१०
दुःसर्वदुर्मम॥ मानसं न स गान्तव्यं सर्वं कृत्वा स न
ति ॥ ३ ॥ या कूं (नुं) इह खान दा र ध व नाः या सु र हं ता
सुनि ॥ या रु य ना व न लुं द मं त्रि त क ना, आ वृ ष्टि दा
प्रि स दा ॥ आ वृ ष्टा वि त हं क न प्र वि ति रि, यं य स
दा व न्दि ता ॥ ४ ॥ सा मां पा त् स न स्र ति रु ग व ति ॥

७
निक्षय जा द्रा या दा ॥ अ स त क सु म र सा, यूर् लु नी
का प्र ति ष्टि का ॥ ध व न म स वं सा, रु ग त ति वि न हं ता
॥ अ प्र थ मं रु ग त ति ना मं, दि ति र्यं च स न भव ति ॥
रु ति र्यं सा न दा द वीः च त्थ र्थ हं स ग म नि नी ॥ ५ ॥
यं च मं हं ग वि ख्या ताः च क्त्वा च भू त नी ग थ

न न प्रकाः ॥ मत्र क चानि
 न व म इ इ मा नाः द म व क ना सु ता ॥
 द स्या इ इ वानिः द्वाद स्या व न दाय क ॥
 नि द्वाद स न मा निः पु न नू थ म य थ ॥ रु व न
 स सु हां सी याः न स्या वि द्या सा द य ॥ २ ॥

01

10

5

0

CMTS

5

10

15

20

ममतापनं नमः नमः नमः नमः
॥ अथ नमः नमः नमः नमः
नमः नमः नमः नमः नमः
नमः नमः नमः नमः नमः
नमः नमः नमः नमः नमः

नमः नमः नमः नमः नमः
नमः नमः नमः नमः नमः
नमः नमः नमः नमः नमः
नमः नमः नमः नमः नमः
नमः नमः नमः नमः नमः

10

5

0

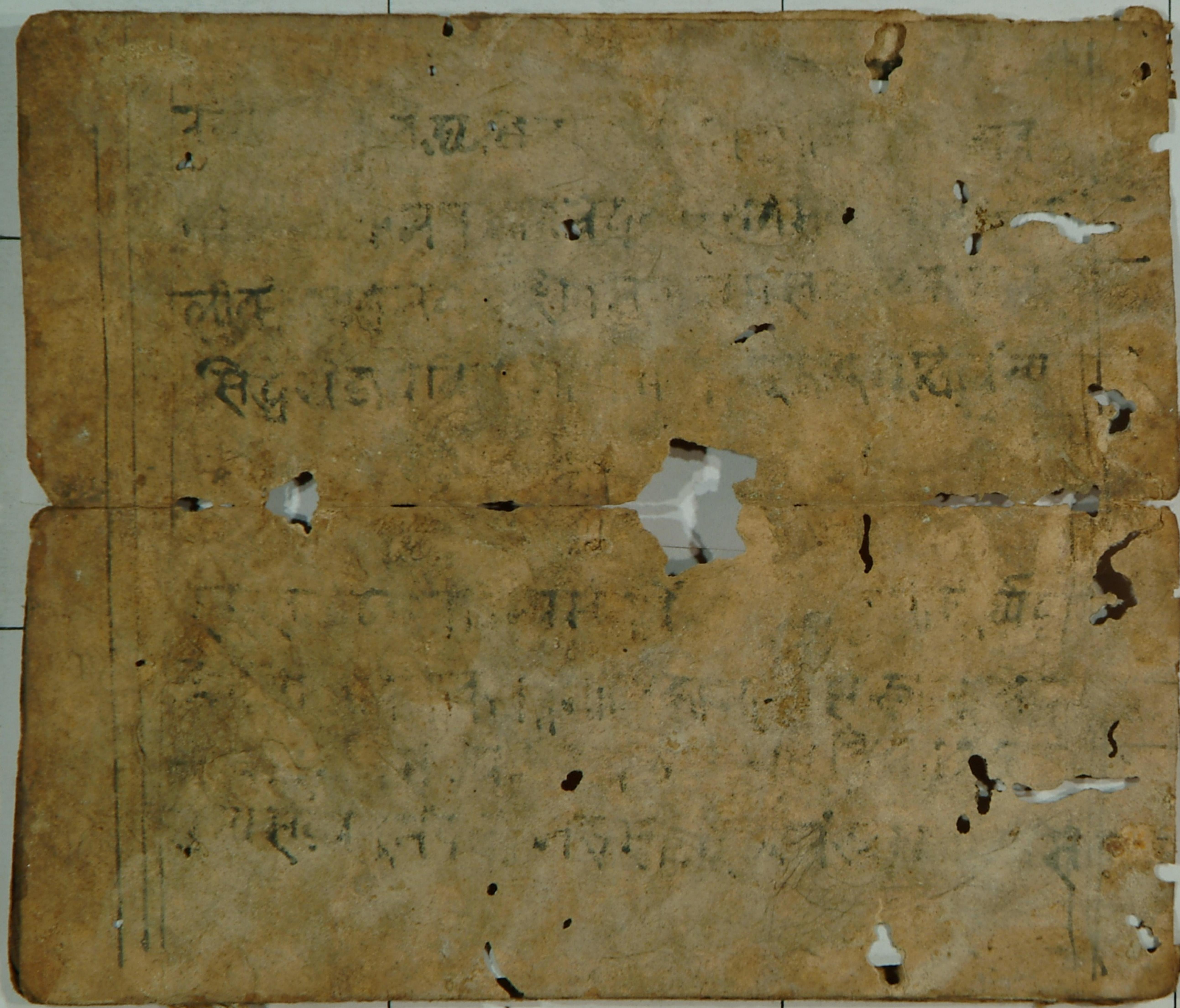
CMTS

5

10

15

20



10

5

0

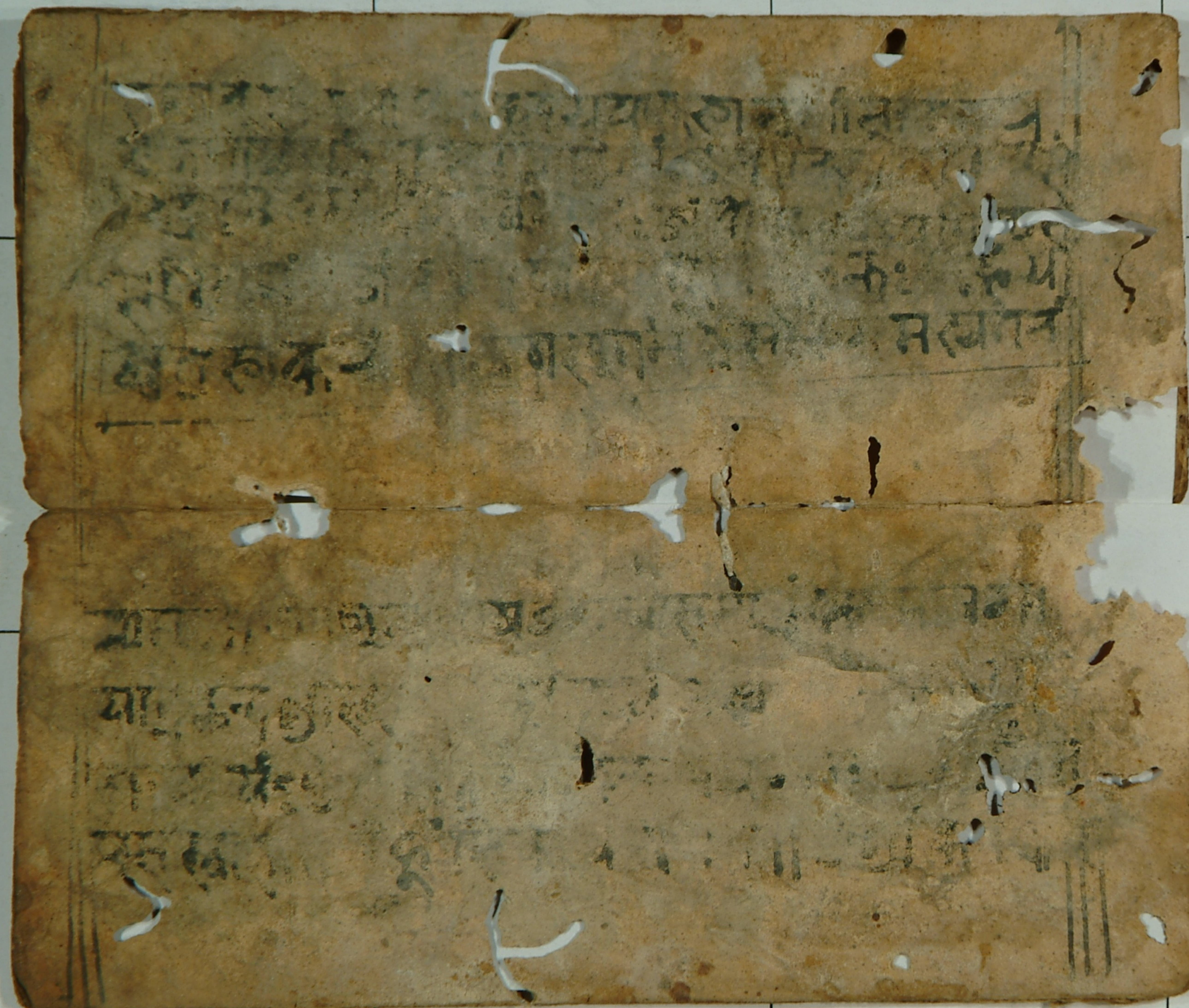
CMTS

5

10

15

20



01

10

5

0

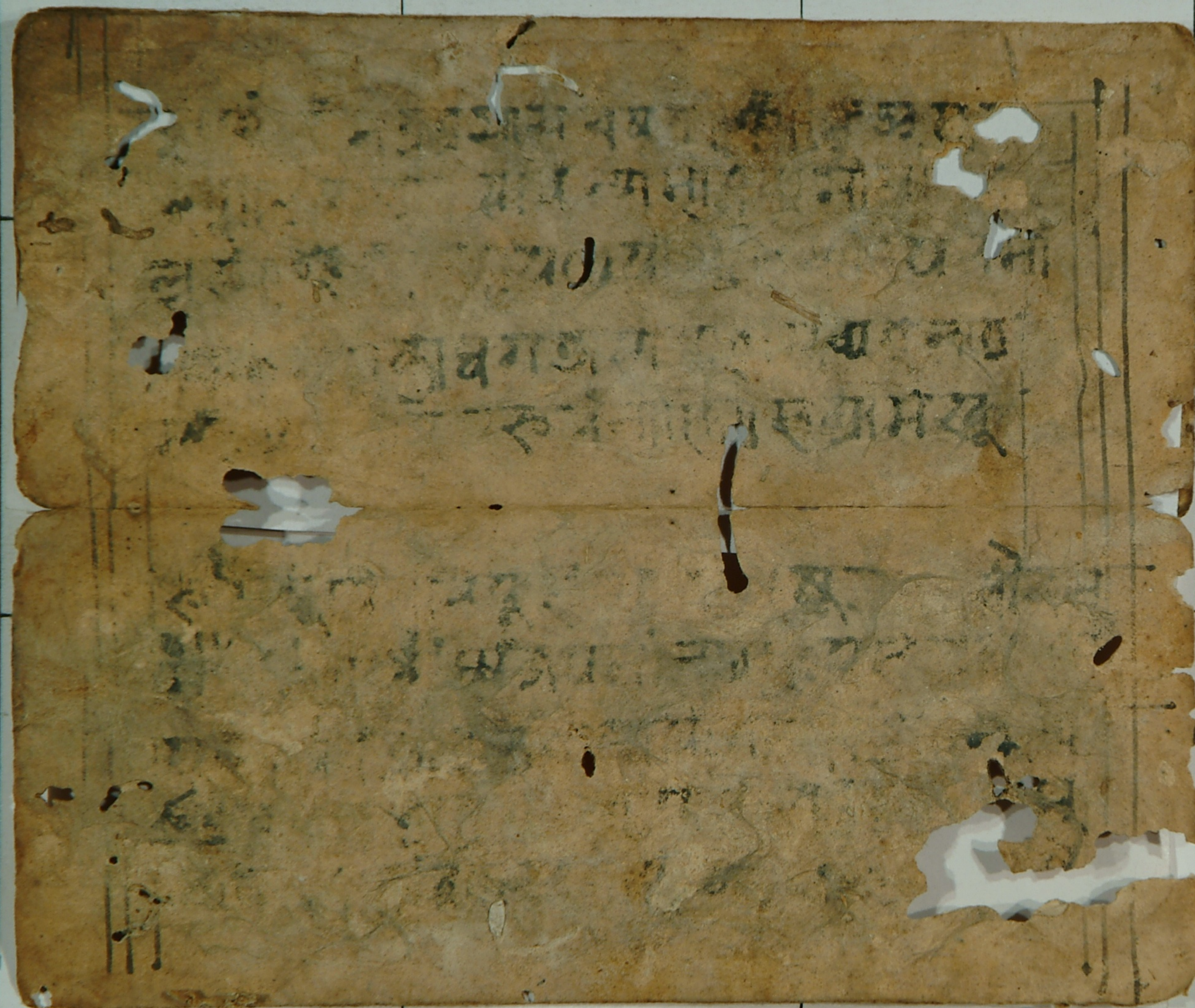
CMTS

5

10

15

20





अरुदिनि॥ १॥ रुद्र कासि मा माया वा मि का
रुद्र नक्षत्री॥ द व दान व ग र्वाः ध्या यं न र व
नयून॥ ७॥ आ लामुषि माहा व न्निः प्र नू का व नि मि
नी अय ता धि ता रु र नि वामु लु मे दि या मि नी
॥ १॥ आ सा य नि व र ल म् रुद्र नक्षत्री

वनी न व इ मा हा मा या न मा रु॥ ८॥
नी जाल द र्वा न व स दा रु द र्वा॥ ९॥
व ड ता रु द्राः हा का लि क या लि नी॥ १०॥ रुद्र
नि ग्म स मा रु धाः वा क लि वृ क वा नि नी॥ वा
य नि व ड मा द वी भू वि नू य न मा रु ॥ १०॥ सु सु